सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 333 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 10 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

यदि बोलने की स्वतंत्रता छीन ली जाये तो शायद गूंगे और मौन हम उसी तरह संचालित होंगे जैसे भेड़ को बलि के लिए ले जाया जा रहा हो।

-जार्ज वाशिंगटन

भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे... 7 | फिर पुराने दिग्गजों ने उड़ाई भाजपा... 3 | यूपी के सभी वोटों को आधार से... 2

अभागी अंकिता रेप प्रकरण पर

सवालों के घेरे में धामी सरकार

- अब दिये सीबीआई जांच के आदेश, सबूत हो चुके हैं नष्ट!
- जेन जी ने संभाला मोर्चा सेलेब्स आये मैदान में
- आर्मी अफसर रहीं खुशबू पाटनी की ललकार लड़कियां अपनी सुरक्षा स्वंय करें
- एक लड़की इंसाफ मांगती रही, सरकार वक्त खरीदती रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिकार धामी सरकार ने अंकिता भंडारी रेप प्रकरण में सीबीआई जांच के लिए केन्द्र सरकार से सिफारिश कर दी है। यह सिफारिश तब कि गयी है जब उत्तराखंड में हरीश रावत पूरे दल-बल के साथ पदयात्रा पर निकले हैं और पूरे देश के जेन जी सच्चाई को सामने लाने के लिए सड़कों पर नारे लगा रहे हैं। इस प्रकरण में बीजेपी के एक बड़े नेता को बचाने का धामी सरकार पर आरोप लग रहा है।

अंकिता भंडारी रेप प्रकरण मधुमिता से लेकर सेंगर तक के प्रकरण से अलग नजर आ रहा है। बाकी के प्रकरण में व्यक्तियों पर आरोप लगे थे। लेकिन अभागि अंकिता की सीधी लड़ाई सरकार से है। एक तरफ जेन जी अंकिता के आरोपियों को सजा दिलाने के लिए सड़कों पर लड़ाई लड़ रहा है तो दूसरी तरफ सरकार पर सीधे आरोप लग रहे हैं कि वह असली गुनहागार को उसको बचाने के लिऐ अपना सबकुछ दांव पर लगा चुकी है। जेन जी को पहली सफलता हाथ लगी है कि इस प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग सरकार ने मान ली है।

अलग है अंकिता का केस

अंकिता भंडारी का मामला इसलिए अलग है क्योंकि यह किसी एक आरोपी किसी एक दरिंदे या किसी एक रसूखदार व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। यह मुकदमा सीधे सत्ता के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। मधुमिता से लेकर कुलदीप सेंगर तक देश ने देखा है कि कैसे वक्त के साथ नाम सामने आए आरोप तय हुए और जेल के दरवाजे खुले। लेकिन अंकिता के मामले में कहानी उलटी है यहां आरोप किसी व्यक्ति तक सीमित नहीं रहे है बल्कि उंगलियां सरकार की ओर उठती चली गयीं। इसीलिए यह प्रकरण असहज करता है। इसीलिए यह सरकार को चुभता है। और इसी वजह से हर कदम पर यह सवाल तैरता रहा कि क्या धामी सरकार बीजेपी के एक बड़े नेता को बचाने में अपनी साख दांव पर लगा चुकी है? जिस रिसार्ट में अंकिता के साथ वह सब हुआ वह सबूतों का केंद्र होना चाहिए था। लेकिन वहां बुलडोज़र चला और तभी से यह धारणा मजबूत होती चली गई कि कार्रवाई अपराध के खिलाफ नहीं बल्कि सबूतों के खिलाफ है। सरकार कहती रही कानून अपना काम कर रहा है लेकिन सड़कें पूछती रहीं तो फिर सीबीआई से डर क्यों? आज जब सीबीआई जांच का आदेश आया है तो यह सरकार की नैतिक जीत नहीं बल्कि सार्वजनिक दबाव के आगे किया गया स्वीकार है। यह मानो सरकार ने यह कबूल कर लिया हो कि राज्य पुलिस पर भरोसा जनता का नहीं रहा। और लोकतंत्र में इससे बड़ा आरोप किसी सरकार पर नहीं हो सकता।

सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में हो सीबीआई जांच : हरीश रावत

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई जांच हो और जिन लोगों के नाम सामने आए हैं उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए। साथ ही उन्होंने मांग की है कि जिन लोगों ने सबूत मिटाने के लिए रिजार्ट में आग लगाई उन पर भी मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। दरअसल तीर्थनगरी ऋषिकेश के रेलवे रोड पर स्थित एक होटल से हरीश रावत और पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह साजवान ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ यह पदयात्रा शुरू की। इस पद यात्रा में भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। इस दौरान हरीश रावत ने कहा कि वे इस संघर्ष को एक निर्णायक मोड़ तक पहुंचाएंगे।

जेन जी ने कर दिया कमाल

यह आदेश किसी सहज प्रशासनिक विवेक का परिणाम नहीं है यह दबाव में लिया गया फैसला है। ऐसा दबाव जो न विपक्ष ने बनाया न संसद ने बल्कि जेन जी ने सड़कों पर उतरकर पैदा किया। जिस जेनरेशन को रील्स और रीलों में उलझा बताकर खारिज किया जा रहा था यही जनरेशन अंकिता के नाम पर यही सड़कों पर उतरी नारे लगाए सवाल पूछे और सरकार से वह मंगवाया जिसे वह हर हाल में टालना चाहती थी। सीबीआई जांच जेन जी की पहली बड़ी जीत है।

'सरकार पर नहीं खुद पर भरोसा करें लड़कियां'

आर्मी अफसर रहीं खुशबू पाटनी जोकि वालीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन है ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सनसनी फैला दी है। वह अभी तक सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग के वीडियो पोस्ट करती रही हैं। इस बार उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए जोर देकर कहा है कि लड़कियों को सरकार या प्रशासन के भरोसे न रहकर खुद अपनी सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए खुशबू पाटनी ने बैक टू बैक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड का केस बहुत दिखाया जा रहा है क्योंकि सोशल मीडिया का माना है। ऐसा पहले भी हेता था। पहले भी समाज लड़कियों के प्रति ऐसा था लेकिन अब कुछ लड़कियों के मैसेज आ रहे है कि हमें डर लगता है। खुशबू ने अपनी आर्मी ट्रेनिंग का किस्सा साझा करते हुए बताया कि सुरक्षा के लिए हमेशा आत्मनिर्भर रहना चाहिए। अपनी जरूरत का सामान खुद लेकर चलो। उन्होंने लड़कियों को भी हर वक्त तैयार रहने की सलाह देते हुए कहा है कि अपने साथ कुछ नुकीली चीज या काली मिर्च का स्प्रे जरूर रखना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर काम आ सके। खुशबू पाटनी एक फिटनेस फ्रीक हैं जो सोशल मीडिया पर लड़कियों को मोटिवेट करती हैं और सेल्फ डिफेंस के तरीके भी बताती हैं।

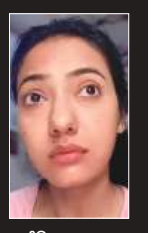

देर से ही सही जेल का रास्ता खुलता जरूर है

भारत में यह पहली बार नहीं है कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति पर यौन अपराध के आरोप लगे हों। अमरमणि त्रिपाठी, कुलदीप सिंह सेंगर इन नामों ने साबित किया कि देर से ही सही जेल का रास्ता खुलता है। लेकिन अंकिता भंडारी के मामले में एक अजीब सा ठहराव है। मुख्य आरोपी का नाम सबको पता है उसके राजनीतिक रिश्ते भी जगजाहिर हैं लेकिन फिर भी वह नाम आज भी खुली हवा में सांस ले रहा है। यह अंतर क्यों है? क्या इसलिए कि सत्ता उसी पार्टी की है जिससे आरोपी जुड़ा रहा है? या इसलिए कि पहाड़ों की गूंज दिल्ली तक उतनी तेज नहीं जाती?

यूपी के सभी वोटों को आधार से जोड़ा जाए : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख-पीडीए समाज का वोट काटने की और अपना वोट बढ़ाने की साजिश हो रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी के सभी वोटों को आधार से जोड़ने की मांग की है। वह लखनऊ में बात चीत कर रहेथे। उन्होंने कहा, ये जो एसआईआर का काम चल रहा है, किसी भी पार्टी ने इसका विरोध नहीं किया। मैं बता दूं कि कोई न कोई साजिश चल रही है। पीडीए समाज का वोट काटने की और अपना वोट बढ़ाने की। जब एक प्रतिष्ठित अखबार में ये बात सामने कि सरकार ने ये निर्देश दिए हैं कि हर बूथ में 200 वोट बढ़ाए जाएं, तब ये शक और भी गहरा हो जाता है। यूपी में बीएलओ के बनाए गए आंकड़े पंचायत चुनाव की लिस्ट में अलग हैं, जबकि विधानसभा की लिस्ट में अलग हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसके लिए हमने एक प्रारूप तैयार कर लिया है। हम चुनाव आयोग से जांच की मांग करेंगे।

उधर मेरठ में मां पर कातिलाना हमला और बेटी को उठाकर ले जाने का मामला बेहद गंभीर है। महिला अपराध और साइबर क्राइम में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोज 5 महिलाएं हिंसा का शिकार हो रही हैं। हर 15 दिन में दुष्कर्म की शर्मनाक घटनाएं हो रही है। महिला सुरक्षा के झूठे दावे करने वाले मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता 2027 में सत्ता से बाहर कर देगी। भाजपा सरकार में तमाम तरह के अपराध पनप रहे हैं। जिस कफ सिरप मामले को पहले लोग स्थानीय अपराध समझ रहे थे, वो अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्राइम निकल रहा है। उत्तर प्रदेश में माफिया राज खत्म नहीं हुआ है, बल्कि आगे बढ़ रहा है।

यूपी में जीरो टॉलरेंस का वादा जीरो

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। इस सरकार का जीरो टॉलरेंस का वादा जीरो हो चुका है।

मतदान केंद्रों के आवंटन में अनियमितता की गई : सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा ने यूपी में मतदान केंद्रों के आवंटन में अनियमितता का आरोप लगाया है। पार्टी ने इसके लिए यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची में नो-मैपिंग मतदाताओं की पहचान प्रक्रि या और मतदान केंद्रों के आवंटन में अनियमितताओं पर चिंता जताई है। पार्टी ने मांग की है कि नो-मैपिंग मतदाताओं की पहचान के लिए आवश्यक दस्तावेजों की मांग की प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को भी सूची उपलब्ध कराई जाए।

ज्ञापन में विशेष रूप से गौतमबुद्ध नगर में बूथों के अनुचित आवंटन पर सवाल उठाए गए हैं। पार्टी का आरोप है कि कुछ क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या कम होने के बावजूद नए बूथ बनाए गए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर मतदाताओं की अधिक संख्या के बावजूद बूथों की संख्या पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा बुलंदशहर में नो-मैपिंग और अन्य श्रेणियों के डाटा को अलग-अलग सार्वजनिक करने की मांग की गई है। ज्ञापन में इन मामलों में त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में सपा के प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह यादव और राधेश्याम सिंह शामिल रहे।

सपा में होंगे बदलाव

समाजवादी पार्टी अपने संगठन में मकर संक्राति के बाद बड़े बदलाव करेगी। कई जिलाध्यक्ष हटाए जाएंगे तो प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर भी बड़े बदलाव होंगे। सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह रणनीति तैयार की है। इसके तहत सभी जातियों के नेताओं को संगठन में जगह मिलेगी। सूत्र के अनुसार एक-तिहाई से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों में उन नेताओं को मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) समेत सभी तैयारियों करने के निर्देश दे दिए गए हैं, जिन्हें आगामी चुनाव में टिकट दिया जाना है। एक तरह से सपा नेतृत्व ने टिकट फाइनल करना शुरू कर दिया है। ताकि, टिकट पाने वालों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। वे बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत कर सकें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बढ़े, चुप्पी तोड़ें पीएम : संजय सिंह

» आप सांसद बोले- 11 जनवरी को पार्टी पूरे प्रदेश में प्रदर्शन करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद व उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्म को भारत की धरती से, उत्तर प्रदेश की धरती से बर्दाश्त न किए जाने का स्पष्ट संदेश दिया जाएगा और केंद्र सरकार को मजबूर किया जाएगा कि वह इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़े। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे लगातार अत्याचार के विरोध में आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश 11 जनवरी को पूरे प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन करेगी।

इस दौरान राष्ट्रपति के नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी के खिलाफ मांग पत्र सौंपा जाएगा। संजय सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में वहां के अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर, वहां के हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है, वह किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक पूरी तरह से चुप हैं। सवाल यह है कि आखिर प्रधानमंत्री की यह चुप्पी क्यों है?

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की चुप्पी की वजह अडानी का बिजली का धंधा है। झारखंड से बिजली पैदा कर अदानी बांग्लादेश को सप्लाई करता है और वहां हजारों करोड़ रुपए का उसका व्यापार चल रहा है। अगर प्रधानमंत्री इस पर बोलेंगे तो उनके दोस्त का धंधा बंद हो जाएगा, उनके दोस्त का पेमेंट रुक जाएगा। संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी, यह नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देश के लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार पर खुलकर बोलना पड़ेगा और सख्त तरीके से अपना विरोध दर्ज कराना पड़ेगा।

संजय सिंह ने कहा कि एक तरफ आप बड़ी-बड़ी बातें करते हैं और दूसरी तरफ बांग्लादेश के साथ कारोबार बढ़ाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार मोदी और उनकी पार्टी से जुड़े व्यापारी बांग्लादेश के साथ कर रहे हैं। यही वजह है कि आज सरकार की अंतरात्मा मर चुकी है और प्रधानमंत्री मौन साधे हुए हैं।

विपक्ष सिवाय आरोप लगाने के कुछ नहीं करता : राजभर

» ईडी कार्रवाई को लेकर बोले- वह एक स्वतंत्र संस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज्य मंत्री ओमप्रकाश राजभर गाजीपुर पहुंचे। यहां उन्होंने एसआईआर ड्राफ्ट के बाद नए मतदाताओं के नाम बढ़वाने व आगमी चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं से मीटिंग की। जिसमें उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के साथ ही अभी से विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दें। ताकि समय रहते लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझें। इसके साथ ही ओमप्रकाश राजभर ने सीएम योगी एक भारतवर्ष वाले बयान और पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई को लेकर भी पत्रकारों एक सवालों के जबाब दिए।

ओम प्रकाश राजभर ने बताया कि एसआईआर के ड्राफ्ट आने के बाद एनडीए के सभी घटक दलों को निर्देश दिया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र में नए मतदाता को जु?वाने का काम करें जो 6 जनवरी से 6 फरवरी तक चलेगा. इस जानकारी को देने के लिए कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचा हूं। उन्होंने बताया कि जहुराबाद विधानसभा में करीब 11000 मृतक मतदाता मिले थे। पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी के दौरान ममता बनर्जी के द्वारा जबरन फाइल लेकर गायब जाने पर राजभर ने कहा कि ईडी और सीबीआई स्वतंत्र एजेंसी है, और वह अपना स्वतंत्र रूप से काम करती है। विपक्ष की जो पार्टी होती है वह हमेशा सरकार पर उंगली उठती है। सरकार को ईडी का सहयोग करने के बजाय उसके साथ असहयोग कर रही है।

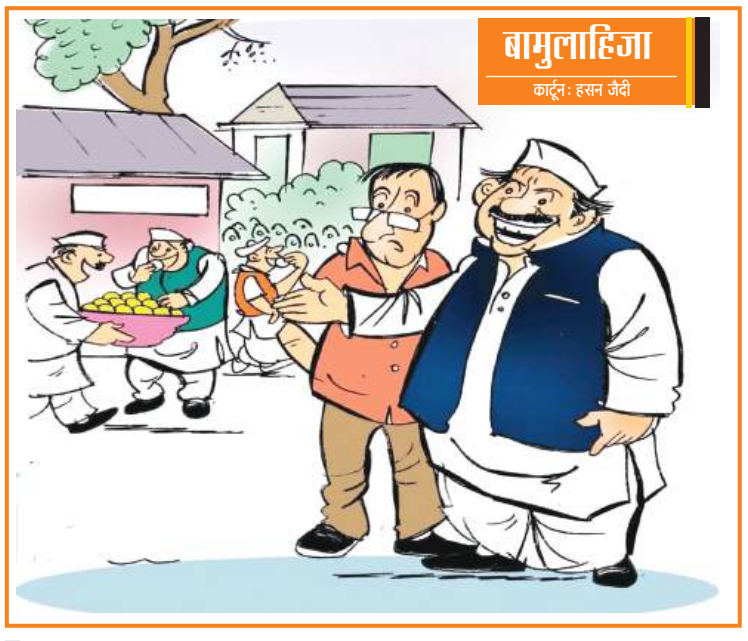

अमेरिका की पूरी दुनिया में चल रही दादागिरी : मसूद

» ट्रंप के बयान पर भड़के कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्रीनलैंड को लेकर दिए गए बयान न राजनीति में हलचल तेज कर दी है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने ट्रंप की नीति और सोच पर कड़ा सवाल उठाया है। उनका कहना है कि अमेरिका जिस तरह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दखल दे रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है।

इमरान मसूद ने कहा, अमेरिका की पूरी दुनिया के अंदर दादागिरी चल रही है सबको मिलकर के अमेरिका के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने हितों के लिए हर जगह दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है और यह रवैया वैश्विक संतुलन के लिए ठीक नहीं है. मसूद के मुताबिक, अब वक्त आ गया है कि दुनिया के देश एकजुट होकर ऐसे रवैये का विरोध करें। कांग्रेस सांसद ने ट्रंप पर सीधा हमला बोलते हुए कहा,अमेरिका जिस तरह से पूरी दुनिया को डिस्टर्ब कर रहा है, अब यूरोप में भी ग्रीनलैंड का चल गया तो यह एक ऐसे आदमी के हाथ में सत्ता आ गई कि जो जहां चाहे, जिस तरह चाहे, मनमर्जी कर रहा है। उनका कहना था कि किसी एक व्यक्ति की सोच और फैसलों से पूरी दुनिया को प्रभावित करना खतरनाक संकेत है।

शाह-मोदी ने ईडी-सीबीआई को तोते की तरह रखा : अजय राय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कोलकाता में आईपीएसी ऑफिस पर ईडी की छापेमारी और टीएमसी प्रोटेस्ट पर भाजपा को घेरा। उन्होंने लखनऊ में कहा, अमित शाह और पीएम मोदी तोते की तरह ईडी और सीबीआई को रखे हैं। जहां चुनाव होता है, वहां वे पिंजड़ा खोलकर तोता उड़ा देते हैं। ममता बनर्जी ने वहां दबाव बनाया है। निश्चित वहां अपने लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए। इससे पहले व योगी सरकार पर भी भड़के थे जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ब्राह्मण समाज के लोगों के फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार में ब्राह्मण समाज के लोगों के फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। करीब 10 साल में 1700 से अधिक ब्राह्मणों की हत्या की गई है।

फिर पुराने दिग्गजों ने उड़ाई भाजपा की नींद

राम मंदिर आंदोलन के पैरोकार के दावे से यूपी में सियासी हलचल

विनय कटियार व प्रवीण तोगड़िया के बयान से मचा घमासान

» बोले- लड़ेंगे 2027 का चुनाव

» गुजरात के हिंदू नेता ने कहा- भारत में तेजी से घट रही हिंदू आबादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल दो लोगों ने एकबार फिर भाजपा को परेशान कर दिया है। सबसे बड़ी बात ये दोनों कभी भाजपा के चहेते थे। जी हां हम बात कर रहे हैं यूपी के विनय कटियार व गुजरात के प्रवीण तोगड़िया की। कभी यूपी में हिंदुत्व व राममंदिर के बड़े झंडेबरदार रहे विनय कटियार के 2027 का चुनाव लड़ने के दावे से यूपी में सियासी हलचल तेज हो गई है।

तो दूसरे हिंदू फायर ब्रॉन्ड नेता एवं अतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक और अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया के बयान से मोदी व योगी सरकार की नींद उड़ी हुई है। उधर पूर्व सांसद विनय कटियार ने कहा कि चुनाव की तैयारी बढ़िया चल रही है। हमारी जनता इच्छुक है। एक बार नहीं दो-दो बार चुनावी मैदान में आएंगे। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले ही रणनीति बनने लगी है। इस बीच खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार ने संकेत दिए हैं कि वह अयोध्या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ सकते हैं। कटियार ने कहा कि चुनाव की तैयारी बढ़िया चल रही है। हमारी जनता इच्छुक है। एक बार नहीं दो दो बार आएंगे चुनावी मैदान में आएंगे।

प्रवीण तोगड़िया ने सरकार से की मांग

हिंदू फायर ब्रॉन्ड नेता एवं अतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक और अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने अलीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में हिंदू घट रहे हैं, अब जातिगत भेदभाव को भूलकर हिंदुओं को एकजुट होना होगा। साथ ही उन्होंने हर गांव और शहर की हर कॉलोनी में हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किए जाने की बात कही। कहा कि इससे हिंदू समाज में एकजुटता और समरसता आएगी। प्रवीण तोगड़िया ने हिंदुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। आयोजित सभा में प्रवीण तोगड़िया ने हिंदू को संगठित रहने का मंत्र दिया। तोगड़िया ने कहा कि 2000 साल पहले पूरी दुनिया में हिंदू थे, लेकिन आज विश्व में 800 करोड़ की जनसंख्या में केवल 100 करोड़ ही हिंदू बचे हैं। कार्यक्रम में प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि आने वाले 70 से 80 साल में भारत में हिंदुओं की संख्या घट जाएगी और यह 100 करोड़ से घटकर 50 करोड़ हो सकती है। सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना होगा। यूसीसी को भी लागू करवाना होगा। प्रवीण तोगड़िया ने देश से अवैध घुसपैठिए बांग्लादेशियों को बाहर करने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हिंदू परिवारों में तीन बच्चे हों, ऐसा सप्त संकल्प दिलाकर हिंदू समाज को संगठित होकर तन, मन, धन से हिंदू हित में काम करने का मंत्र दिया।

कटियार का अब तक का सियासी सफर

बता दें कटियार विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल के संस्थापक-अध्यक्ष थे। इस मंच के जरिए, उन्होंने बड़ी संख्या में युवा समर्थकों को इकट्ठा किया और अयोध्या आंदोलन के सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक बन गए। इस दौरान उनकी सक्रियता ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और व्यापक संघ परिवार में उनकी स्थिति को मजबूत किया। बाद में, उन्होंने बीजेपी के साथ चुनावी राजनीति में कदम रखा और फैजाबाद संसदीय क्षेत्र से 2 बार लोकसभा के लिए चुने गए। कटियार उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य भी रहे। कटियार सन् 1980 के दशक के आखिर और 1990 के दशक की शुरुआत में राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े एक प्रमुख नेता के तौर पर राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हुए। बीजेपी के भीतर, विनय कटियार ने कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाली हैं और उन्हें मजबूत वैचारिक मान्यताओं वाले नेता के तौर पर जाना जाता है।

उत्तर प्रदेश बीजेपी चीफ पंकज चौधरी से मुलाकात की

राज्यसभा के पूर्व सांसद कटियार ने बीते दिनों यूपी बीजेपी चीफ पंकज चौधरी से भी मुलाकात की थी। उस मुलाकात के बाद कटियार ने पहली बार नए सिरे से सियासी ताल ठोंकी है। यूपी बीजेपी चीफ से मुलाकात के संदर्भ में कटियार ने कहा कि वह तो शिष्टाचार मुलाकात थी। पूर्व सांसद और हिंदुत्व के फायर ब्रांड नेता कटियार ने चुनाव संबंधी तैयारियों के सवाल पर कहा कि हमारी तैयारी हमेशा रहती है, यह किसने कह दिया कि तैयारी नहीं है। कार्यकर्ताओं के साथ आवास पर बैठक के बाद कटियार ने कहा कि राम जन्मभूमि हमारी है, स्वाभाविक है डंका यही से बजेगा।

हरियाणा में कांग्रेस में नहीं थम रही गुटबाजी

» नेता एक-दूसरे की खींच रहें टांगे

» दिग्गज नेताओं के बीच चल रही सिर फुटौव्वल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पलवल। हरियाणा में कांग्रेस का दुख दूर नहीं हो रहा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता ही अपनी पार्टी को आईना दिखाने में लगे हुए हैं। उधर शीर्ष नेतृत्व वोट चोरी पर भाजपा सरकार को किसी कीमत पर बख्शना नहीं चाहता है। जबकि राज्य के नेता सद्भाव जैसी यात्राओं से बचने की कोशिश कर रह है।

कांग्रेस की सद्भाव यात्रा के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि पार्टी की हार के लिए पार्टी ही जिम्मेदार है। प्रदेश की जनता बीजेपी से छुटकारा दिलाकर कांग्रेस को सत्ता सौंपने का मन बना चुकी थी। लेकिन कांग्रेसियों ने एक दूसरे की टांग खिंचाई कर अपने ही उम्मीदवारों को हराने का काम किया।

हुड्डा गुट ने बनाई यात्रा से दूरी

बता दें कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गुट इस यात्रा से दूरी बनाए हुए है। होडल में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उदयभान और पलवल में पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं। हथीन से विधायक मोहम्मद इसराइल कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने का बाद अचानक पीछे हट गए। बहरहाल हुड्डा गुट की दूरी के बाद यात्रा को खासा समर्थन मिल रहा है। यात्रा को पूर्व सासंद बृजेंद्र सिंह और कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नेत्रपाल अधाना ने भी संबोधित किया।

कांग्रेस को कांग्रेसी हराने का काम कर रहे : चौधरी बीरेंद्र

चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस को कांग्रेसी हराने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस की आपसी खींचतान के कारण बीजेपी तीसरी बार सत्ता में आई। बीजेपी किसान विरोधी पार्टी है और समाज को बांटने का काम करती है। हरियाणा में जाट और गैर जाट तथा यूपी में यादव और गैर यादव की राजनीति करती है। इसी प्रकार सभी राज्यों में समाज के एक वर्ग का विरोध कर अन्य वर्गों को एकजुट कर सरकार बनाती है। अब समय आ गया है कि सभी को एकजुट होकर कांग्रेस की सरकार बनानी होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

चाइनीज मांझे के आयात पर लगे रोक

चाइनीज मांझे का उपयोग और उससे हो रहे हादसे नहीं रुक रहे हैं। मानव और पशु पक्षी भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण इसकी निर्माण इकाइयों पर व्यापक प्रतिबंध और विशेष कानून का नहीं होना है। जब तक इसकी निर्माण इकाइयों तक पुलिस नहीं पहुंचेगी और निर्माण नहीं रुकेगा तब तक यह लोगों तक पहुंचता रहेगा।

यूपी से लेकर गुजरात तक के अखबार चाइनीज मांझे की चपेट में आने वालें लोगों की मौत की खबरे पटे पड़े हैं। सरकार चीन के माल के प्रयोग को न करने की बाते तो करती है पर वहां के सामान को आयात भी करवा रही है। जबकि इस तरह की जानलेवा सामानों पर रोक लगनी चाहिए। देश में इनके निर्माण इकाइयों पर भी रोक लगे। चाइनीज मांझे का उपयोग और उससे हो रहे हादसे नहीं रुक रहे हैं। मानव और पशु पक्षी भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण इसकी निर्माण इकाइयों पर व्यापक प्रतिबंध और विशेष कानून का नहीं होना है। जब तक इसकी निर्माण इकाइयों तक पुलिस नहीं पहुंचेगी और निर्माण नहीं रुकेगा तब तक यह लोगों तक पहुंचता रहेगा। मकर संक्रांति का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में पतंग के साथ चाइनीज मांझे की बिक्री शुरु हो गई है।

प्रतिबंधित होने के बावजूद भी चाइनीज मांझे बाजारों में खुलेआम बिक रहे है। जिम्मेदार अधिकारी कारवाई के नाम पर महज कागजी खानापूर्ति तक ही सीमित है। जिसकी वजह से आए दिन बेजुबान पक्षियों की जिंदगी की डोर कट रही है। यह मांझा आमजन, पशु-पक्षियों के साथ हमारे पर्यावरण के लिए भी बेहद हानिकारक है। सरकार को इसके उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाना चाहिए। इसका इस्तेमाल या बिक्री करते हुए पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई और जुर्माने का प्रावधान किया जाना चाहिए। साथ ही आमजन में भी इसके प्रति जागरूकता जरूरी है। बाजार में चाइनीज मांझे के व्यापार स्थलों को चिह्नित करने, भारी जुर्माना और प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है। चाइनीज मांझे से जुड़े हादसे इसलिए नहीं रुक पा रहे हैं, क्योंकि प्रतिबंध के बावजूद इसका अवैध कारोबार लगातार जारी है। सस्ती कीमत, मजबूत धार और आसानी से उपलब्ध होने के कारण लोग परंपरागत धागे की जगह इसका उपयोग करते हैं। स्थानीय बाजारों में चोरी-छिपे बिक्री, ऑनलाइन सप्लाई और कड़ी प्रशासनिक निगरानी की कमी इस समस्या को और बढ़ा देती है। कानून तभी प्रभावी होता है, जब समाज उसका साथ दे, लेकिन त्योहार के उत्साह में सुरक्षा की भावना पीछे छूट जाती है। जब तक इसके उत्पादन और वितरण स्रोत पर सख्त रोक नहीं लगेगी और सुरक्षित विकल्प हर जगह उपलब्ध नहीं होंगे, तब तक आम जनता को इस खतरनाक मांझे से दूर रखना मुश्किल होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अज्ञानता को हथियार बनाने के प्रयासों का हो विरोध

अविजित पाठक

इस भयानक रूप से विषैली, हिंसक और ध्रुवीकृत दुनिया में, किसी के लिए हमारे मौजूदा समय का चरित्र बन चुकी सर्वव्यापी नकारात्मकता से बहक जाना आसान है। फिर भी, एक शिक्षक के रूप में, मुझे लगता है कि हमें हार नहीं माननी चाहिए, और हमें आशा के बीज बोने चाहिए और नई पीढ़ी को एक बेहतर दुनिया की कल्पना करने और उसके लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मैं शिक्षण समुदाय से हार्दिक प्रार्थना के साथ नए साल की शुरुआत में अपील करता हूं आशा के शिक्षाशास्त्र को कक्षा की गतिशीलता में बदलने दें, शिक्षा के उद्देश्य को फिर से परिभाषित करें और आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक कल्पना, सहानुभूति और प्रेम की शक्ति को सक्रिय करें। हालांकि, यह स्वीकार करना जरूरी है कि समकालीन छात्रों और शिक्षकों में जो निराशा हम देख रहे हैं, वह अक्सर किसी न किसी प्रकार की सनकी व्यावहारिकता के रूप में प्रकट होती है।

जैसे-जैसे नवउदारवाद का बाजार-संचालित/ उपकरणवादी तर्क शिक्षा को एक उच्च और महान उद्देश्य से वंचित कर रहा है, और इसे आर्थिक उत्पादकता के लिए मात्र एक तकनीकी कौशल में बदल रहा है, कई युवा सामाजिक डार्विनवाद या अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को एक नए गुण के रूप में, पैसे को नए भगवान के रूप में, और अहंकारी गर्व को रुतबे के प्रतीक के तौर पर देखने लगे हैं। उनके आंतरिक जगत में कोई फूल नहीं खिलता;वे शायद ही कभी गांधी और मार्क्स से संवाद करते हैं; और उनके पास समानता, पारिस्थितिकी, शांति एवं न्याय के लिए संघर्ष करने के वास्ते कोई 'फालतू' समय नहीं। इस प्रकार की व्यावहारिकता का मतलब है एक नई दुनिया में आशा की अनुपस्थिति। इसी तरह, अति-राष्ट्रवाद की संस्कृति कई शिक्षकों के बीच ऐसी व्यावहारिकता को और तेज करती है। जैसे-जैसे डिजिटल निगरानी सामान्य होती जाती है, हमारे कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में कई शिक्षकों को लगता है कि उन पर लगातार नजर रखी जा रही है और निगरानी में हैं। और संभवत:, ऐसा डर उन्हें इसके प्रति बेहद सतर्क कर देता है कि वे क्या पढ़ा सकते हैं, क्या बोल सकते हैं और क्या लिख सकते हैं।

जैसे-जैसे अति-राष्ट्रवाद के विमर्श द्वारा शैक्षणिक क्षेत्र का उपनिवेशीकरण शिक्षा को उसकी स्वतंत्रतावादी क्षमता से वंचित कर रहा है, शिक्षकों का एक ऐसा बड़ा वर्ग पैदा होना असंभव नहीं है जो चुप रहना पसंद करे, या व्यवस्था

के प्रति वफादारी दिखाने के लिए अति उत्साही हो जाए। इसलिए, यह हैरानी की बात नहीं है कि ऐसे 'व्यावहारिक' शिक्षक अपने छात्रों में एक नई कल्पना, या प्रतिरोध की भाषा जगाने में विफल रहते हैं। यहां पर, एक ऐसी दुनिया है जो युद्ध, अधिनायकवाद और जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। फिर भी, हमारे कॉलेज और विश्वविद्यालय 'रैंकिंग' की आकांक्षा, और 'प्लेसमेंट और सैलरी पैकेज' की बातों से परे कुछ भी देखने से इनकार करते हैं। इसलिए, सवाल उठता है मैं जिस उम्मीद के शिक्षाशास्त्र की बात कर रहा हूं, वह क्या है? और क्या यह सच में मुमकिन है? यहां साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह कोई खोखला आदर्श या काल्पनिक खुशफहमी नहीं। आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र के बिना इसे बढ़ावा देना नामुमकिन है - यह युवा शिक्षार्थी को अपना रचनात्मक गुण वापस पाने और उन चीजों पर सवाल उठाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो एक न्यायपूर्ण, समानता युक्त, मानवीय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील दुनिया की संभावना को नुकसान पहुंचाती हों। यह समझने और गहराई से सिद्धांत बनाने जैसा है, मसलन, चरम-राष्ट्रवाद की आक्रामकता जो युद्ध, नरसंहार, सशस्त्र विद्रोह, आतंकवाद और धार्मिक कट्टरपंथ का कारण बनती है; आधुनिक तकनीक चालित पूंजीवाद के तर्क में छिपा लालच जो हर चीज को -चाहे वह पेड़, नदी, जंगल हो या पहाड़- उसे निरंतर 'संवृद्धि' और 'विकास' की खातिर सिर्फ एक 'संसाधन' में बदल देता है, और जलवायु आपदा की भयानक स्थितियों की ओर ले जाता है; और सबसे बढ़कर है, अरबपति प्रौद्योगिकीवादी और नव-फासीवादियों का अपवित्र गठबंधन जो लोकतंत्र की भावना खत्म कर रहा है।

इसके अलावा, उम्मीद के शिक्षाशास्त्र का अर्थ है कि शिक्षा को सिर्फ एक तकनीकी कौशल तक सीमित नहीं किया जा सकता; इसकी बजाय यह जाग्रत समझ के बारे में है, या वह, जिसे हेनरी गिरौक्स -जो बेहतरीन शिक्षाविदों में से एक हैं - ने जानकारी से युक्त एवं राजनीतिक रूप से जागरूक लोकतांत्रिक नागरिकों को तैयार करने हेतु एक परिवर्तनकारी औजार के रूप में बताया है। अज्ञानता को हथियार बनाने का विरोध करने का यही एकमात्र तरीका है। आलोचनात्मक चिंतन के अलावा, उम्मीद के शिक्षाशास्त्र को कुछ और भी चाहिए।

तमिल जन आकांक्षाओं के विजयी सेनापति

अरुण नैथानी

कुछ लोग उन्हें दक्षिण का एंग्री यंगमैन बता रहे हैं, तो कुछ राजनीति के जरिये सामाजिक-सांस्कृतिक उद्धार करने वाला सेनापति। दक्षिण भारत में फिल्मों से राजनीति में वर्चस्व करने वालों की कड़ी में एक और नाम जुड़ने जा रहा है सुपर स्टार विजय का। राजनीति में किस्मत आजमाने के लिए उन्होंने फिलहाल फिल्मों से किनारा कर लिया है। हिट थलपति-69 को उनकी आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। इसी वजह से अब उन्हें थलपति विजय का नाम दिया जा रहा है। दरअसल, थलपति का तमिल में मतलब सेनापति होता है। उन्होंने बाकायदा पार्टी का झंडा व चिन्ह भी लॉन्च किया है और अब उनकी पार्टी टीवीके को चुनाव आयोग से मान्यता भी मिल गई है। कहा जा रहा है कि इस साल तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी भागीदारी बड़ा राजनीतिक उलट फेर कर सकती है। उनकी सभाओं में जुटने वाली लाखों की भीड़ कम से कम यही इशारा कर रही है।

बहरहाल, आज विजय महज फिल्म स्टार भर नहीं हैं, उन्हें तमिलनाडु के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में बदलाव के वाहक के रूप में देखा जा रहा है। उनके चाहने वालों में सिर्फ फिल्म प्रेमी ही नहीं हैं, बल्कि वे युवा भी हैं जो बेहतर रोजगार की स्थिति, साफ-सुथरी राजनीति और तमिल अस्मिता की रक्षा की आकांक्षा रखते हैं। वे सभाओं में कहते हैं कि हम बांटने वाली राजनीति के खिलाफ हैं। वे द्रविड़ राजनीति के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों की निंदा करते हैं। वे एक परिवार पर राज्य को लूटने का आरोप लगाते हैं। वे कहते हैं कि हम द्रविड़ राष्ट्रवाद और तमिल राष्ट्रवाद को अलग नहीं करेंगे। पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए वे कहते हैं कि पार्टी की सोच धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय विचारधारा पर टिकी होगी। उनका कहना है कि उनकी पार्टी संत पेरियर के बताये रास्ते पर चलेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य स्त्री सशक्तीकरण और सामाजिक न्याय रहा है।

यद्यपि उन्होंने पेरियर के नास्तिकता से जुड़े सिद्धांत से असहमति जतायी है। दरअसल, विजय के इस अभियान से जुड़ने वाले सिर्फ उनके फिल्मों के प्रशंसक ही नहीं हैं। दरअसल, युवा उन्हें बदलाव के वाहक नायक के रूप में देख रहे हैं। युवा उन्हें अपनी आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि विजय उनके मन की बात कर रहे हैं। दरअसल, विजय की फिल्मों का नायक एक ऐसा यंग एंग्रीमैन होता है जो सिस्टम की विसंगतियों के खिलाफ विद्रोह करता है। जैसा कभी हिंदी फिल्मों में सत्तर के दशक में अमिताभ बच्चन करते दिखाई देते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम यह रहा है कि सिनेमाघर में बोला गया उनका हर संवाद सड़कों पर नारे की शक्ल में आता रहा है। यही वजह है कि आज उन्हें थलपति विजय के नाम से संबोधित किया जा रहा है, जो युवा मनोविज्ञान का प्रतिनिधि चेहरा बन गया है। दरअसल, अन्य राज्यों की तरह ही तमिलनाडु का युवा समकालीन विसंगतियों से जूझ रहा है।

इसमें- बेरोजगारी का संत्रास है, प्रतियोगिता परीक्षाओं की हताशा है, गैर-बराबरी बढ़ाने वाला विकास है तो तमिलनाडु के राजनेताओं से मोहभंग की स्थिति भी है। यही वजह है कि विजय की घोषणाएं युवाओं को लुभाती हैं और उन्हें विश्वास है कि विजय फिल्मों में निभाए किरदार जैसी भूमिका से समाज में बदलाव ला सकते हैं। वैसे भी तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के प्रति जुनून का पुराना इतिहास रहा है। मौजूदा सोशल मीडिया के दौर में वे हर प्लेट फॉर्म में छाए हुए हैं। अब चाहे रील्स हों, मीम्स हों या वायरल संवाद, वे हर जगह नजर आते हैं। आज की एक हकीकत यह भी है कि यह ऑनलाइन लोकप्रियता अब हकीकत में भी नजर आने लगी है। दरअसल, इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये थलपति विजय कमर कसकर आए हैं। निश्चित रूप से 2026 में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव खासा रोचक होने जा रहा है। माना जा रहा है कि वे राज्य में डीएमके व एआईडीएमके के वर्चस्व को कड़ी चुनौती देने जा रहे हैं। वे एक सधे राजनेता की तरह बात करते हैं। वे राज्य में दो भाषाओं के समर्थक हैं- यानी सरकारी कामकाज में तमिल व अंग्रेजी का उपयोग। वे जातिगत जनगणना के पक्षधर हैं। साथ ही भविष्य में किसी राजनीतिक गठबंधन से भी इनकार नहीं करते हैं। बहरहाल, विजय आज तमिलनाडु की जनता को आश्वस्त कर रहे हैं कि राज्य में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक बदलाव के लिये उन्होंने फिल्में छोड़ दी हैं। राजनीति में आने पर वे सिर्फ समाजसेवा करेंगे।

बहरहाल, अब दक्षिण भारत में एमजी रामचंद्रन, जयललिता, विजयकांत, एनटी रामाराव व कमल हासन व पवन कल्याण जैसे सुपरस्टारों की राजनीतिक कामयाबी में थलपति विजय का नाम भी जुड़ने जा रहा है। पवन कल्याण आंध्र की राजनीति में कमाल करके उप-मुख्यमंत्री बने हुए हैं। उन्होंने जन सेना नामक राजनीतिक दल बनाया। वे एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़े थे। वे राजनीतिक दल बनाने वाले प्रसिद्ध एक्टर चिरंजीवी के छोटे भाई हैं। चिरंजीवी ने भी प्रजा राज्यम पार्टी बनायी थी। कालांतर वे राज्यसभा सदस्य व केंद्रीय मंत्री भी बने। जहां तक तमिलनाडु में फिल्म सितारों के राजनीतिक वर्चस्व का सवाल है तो मशहूर अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने एआईएडीएमके बनाई और एक दशक तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। फिर चर्चित अभिनेत्री जयललिता भी इसी पार्टी में शामिल होकर पहली बार 1991 में मुख्यमंत्री बनीं। वहीं दूसरी ओर अभिनेता कमल हासन भी वर्ष 2018 में मक्कल 'नीधि मय्यम पार्टी' बना चुके हैं। लगता है कि इस कड़ी में नया नाम थलपति विजय का जुड़ने जा रहा है।

घर पर ऐसे बनाएं आंवले का मुरब्बा

सामग्री

आंवला- 1 किलो, चीनी- 1 से 1.25 किलो, पानी-लगभग 4-5 कप, दालचीनी, लौंग- 2-3, इलायची पाउडर- 1 चम्मच, केसर/केवड़ा- थोड़ा सा।

आंवला, जिसे भारतीय गूसबेरी भी कहा जाता है, न केवल सेहत के लिए फायदेमंद है बल्कि इसके स्वादिष्ट मुरब्बे का स्वाद भी लाजवाब होता है। आंवला में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं और शरीर को मजबूत बनाते हैं। अगर आप भी इस सुपरफूड का फायदा घर पर ही लेना चाहते हैं, तो आंवले का मुरब्बा बनाना एक बेहतरीन तरीका है। यह मुरब्बा न केवल शरीर को अंदर से सशक्त करता है, बल्कि इसके सेवन से बालों, त्वचा और पाचन से संबंधित समस्याओं में भी सुधार होता है। घर पर आंवला मुरब्बा बनाना बेहद आसान है और इसके लिए आपको बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती।

विधि

आंवले का मुरब्बा बनाने के लिए सबसे पहले आंवले अच्छी तरह धोकर साफ कर लें। अब एक बड़े बर्तन में पानी उबालें और आंवले डाल दें। लगभग 8-10 मिनट उबालें जब तक आंवले मुलायम न हो जाएं। गैस बंद कर दें और आंवले पानी में ही 5 मिनट रहने दें। अब हल्के हाथ से दबाने पर फांकें खुद-ब-खुद अलग हो जाएंगी। इसके बाद उबले आंवले को एक बड़े बर्तन में निकालें। ऊपर से चीनी डालें और 6-8 घंटे या रातभर ढककर रख दें। इस दौरान आंवला अपनी नमी छोड़ देगा और चीनी घुलने लगेगी। अब आंवला और चीनी का मिश्रण एक कड़ाही में डालकर गैस पर रखें। मध्यम आंच पर चाशनी गाढ़ी होने तक पकाएं। इसी चाशनी में दालचीनी, लौंग, इलायची पाउडर डाल सकते हैं। जब चाशनी में एक तार की हल्की स्थिरता आने लगे, गैस बंद कर दें। बस अब इसे ठंडा होने के बाद कांच के सूखे जार में स्टोर करके रख दें।

सर्दियों में खूब स्वादिष्ट लगता है लहसुन का पराठा

सर्दियों के मौसम में खाने का आनंद बढ़ाने के लिए मसालेदार और गर्मागर्म व्यंजन सबसे बेहतरीन होते हैं। ऐसे में लहसुन का पराठा एक ऐसा स्वादिष्ट और हेल्दी विकल्प है, जो सिर्फ पेट ही नहीं भरता बल्कि शरीर को भी गर्माहट देता है। लहसुन का पराठा बनाने में जितना आसान है, खाने में उतना ही मजेदार। इसका तड़का और लहसुन की खुशबू हर किसी को भाती है। लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट और इम्यूनिटी बढ़ाने वाले गुण पाए जाते हैं, जो सर्दियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। इसी के चलते हर किसी को ये नाश्ते में बनाना चाहिए। जिसे आप ब्रेकफास्ट, लंच या डिनर किसी भी समय सर्व कर सकते हैं।

सामान

2 कप गेहूं का आटा, 10-12 लहसुन की कलियां, 1-2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1/4 कप हरा धनिया (कटा हुआ), 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार, घी या तेल पराठा सेकने के लिए।

विधि

पराठे का स्वाद और नरमी आटे पर निर्भर करता है। आटे को ज्यादा सख्त या बहुत ढीला न गूंथें। मुलायम और चिकना आटा बनाने से पराठा सेकने पर फूला हुआ और हल्का बनता है। लहसुन स्वाद बढ़ाता है, लेकिन ज्यादा डालने से पराठे का स्वाद तीखा या कड़वा हो सकता है। स्वाद अनुसार 10-12 कलियां पर्याप्त होती हैं। लहसुन का पराठा बनाने के लिए सबसे पहले आटे में कटे लहसुन, हरी मिर्च, हरा धनिया, मसाले और नमक मिलाएं। पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर बेलन से पराठा बेलें। तवे पर घी/तेल लगाकर पराठा सुनहरा होने तक सेकें। अत्यधिक तेज आंच पर पराठा जल्दी जल सकता है और अंदर से कच्चा रह सकता है। मध्यम आंच पर सेकने से पराठा दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन और क्रिस्पी बनता है। गरमा गरम पराठा दही या अचार के साथ सर्व करें।

हंसना मना है

डॉक्टर ने महिला मरीज से कई सवाल पूछने के बाद जानना चाहा-आपके कितने बच्चे हैं? तनिक लजाते हुए महिला ने बताया-उतने ही है बस जितने रोनाल्डो की जर्सी के नंबर हैं।

गुस्से में लाल-'पीले होते वे महाशय दर्जी की दुकान पर चढ़े और बोले-'देख रहे हो यह सूट? तुम कहते थे, कपड़ा कम है। मटका गली वाले दर्जी ने उसी कपड़े से सूट भी बनाया और जो कपड़ा बचा, उससे अपने पांच साल के लड़के का एक कोट भी बना लिया। मैं तुमसे पूछता हूं..''मैं खुद ही बताये देता हूं।' दर्जी विनम्रता से बोला, 'असल में मेरा लड़का ग्यारह साल का है।'

गर्लफ्रेंड गोलू से- जानू मैं तुम्हारे लिए आग पे चल सकती हूं, नदी में कूद सकती हूं... गोलू- मैं भी तुमसे बेइन्तहां प्यार करता हूं, क्या तुम मुझसे मिलने अभी आ सकती हो? गर्लफ्रेंड- पागल हो गए हो क्या, इतनी धूप में मैं काली पड़ गई तो...

कहानी - खटमल और जूं

दक्षिण भारत में एक राजा राज किया करता था। राजा के बिस्तर में मंदरीसर्पिणी नाम की एक जूं रहा करती थी, लेकिन इस बारे में राजा को कोई जानकारी नहीं थी। हर रात जब राजा गहरी नींद में सो जाता, तो जूं अपने घर से बाहर निकलती, बड़े चाव से पेट भरकर राजा का खून चूसती और दोबारा जाकर छिप जाती। एक दिन न जाने कहां से बिस्तर में अग्निमुख नामक एक खटमल भी घुस आया। जब जूं ने उसे देखा, तो उसे बहुत गुस्सा आया कि उसके इलाके में एक खटमल घुस आया है। जूं उसके पास गई और उससे तुरंत वापस चले जाने को कहा। खटमल बोला, अरे जूं बहना, इस तरह का व्यवहार तो कोई अपने दुश्मन के साथ भी नहीं करता। मैं बहुत दूर से आया हूं और सिर्फ एक रात तुम्हारे घर रुक कर आराम करना चाहता हूं। कृपया मुझे यहां रुकने दो। खटमल की बातें सुनकर जूं का दिल पिघल गया। ठीक है, तुम यहां रुक सकते हो, लेकिन तुम्हारे कारण राजा को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। तुम राजा के आसपास भी नहीं जाओगे। जूं बहन, मैं बहुत दूर से आया हूं और बहुत भूखा हूं। वैसे भी, हर रोज कहां राजा का मीठा खून पीने का मौका मिलता है। कृपया मुझे आज रात राजा के खून का स्वाद चखने का मौका दे दो, जूं, खटमल की बातों में आ गई और उसने उसे राजा का खून चूसने की इजाजत दे दी। ठीक है, तुम राजा के खून का भोजन कर सकते हो, लेकिन उससे पहले तुम्हें राजा के गहरी नींद में सो जाने का इंतजार करना होगा। जब तक राजा पूरी तरह सो नहीं जाता, तब तक तुम उसे नहीं काट सकते, इस पर खटमल ने हां कर दिया और दोनों रात होने का इंतजार करने लगे। रात होते ही राजा अपने कमरे में आया और सोने की तैयारी करने लगा। राजा का शरीर बहुत तंदुरुस्त था और उसकी तोंद बहुत मोटी थी। यह देख कर खटमल के मुंह में पानी आ गया। जैसे ही राजा बिस्तर पर आकर लेटा, खटमल ने न आव देखा न ताव और सीधे जाकर राजा की मोटी तोंद पर जोर से काट लिया और फिर दौड़ कर पलंग के नीचे छिप गया। राजा दर्द के मारे चीख उठा और तुरंत अपने सिपाहियों को कमरे में बुला लिया। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया, सिपाहियों, इस बिस्तर में जरूर कोई खटमल या जूं है। उसे तुरंत ढूंढो और मार डालो। राजा के सिपाहियों ने बिस्तर पर ढूंढना शुरू किया, तो उन्हें बिस्तर में छिपी जूं मिल गई। उन्होंने तुरंत उस जूं को मार डाला और खटमल बच निकला। इस प्रकार खटमल की गलती के कारण बेचारी जूं मारी गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ

विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन

मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। प्रमाद न करें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी।

सिंह

रुके हुए कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु

अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

मीन

भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

इक्कीस का प्रमोशन करते हुए मुझे खालीपन महसूस हुआ : जयदीप

साल 2025 देओल परिवार के लिए बहुत ही खराब रहा है। उन्होंने शाइनिंग स्टार धर्मेंद्र को खो दिया। दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र 24 नवंबर 2025 को इस दुनिया को अलविदा कहकर चले गए। धर्मेंद्र के जाने से पूरी इंडस्ट्री में शोक छा गया है। उन्हें फैंस और सेलेब्स आज भी बहुत याद करते हैं। उनकी आखिरी फिल्म इक्कीस पर भी लोगों ने जमकर प्यार लुटाया है। इक्कीस1 जनवरी को सिनेमाघरों पर रिलीज हुई है और इसे देखकर हर कोई इमोशनल हुआ है। इक्कीस में जयदीप अहलावत को धर्मेंद्र के साथ काम करने का मौका मिला। उन्होंने धर्मेंद्र के साथ काम की यादें ताजा की हैं। इक्कीस में अगस्त्य नंदा, सिमर भाटिया, धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत अहम किरदार निभाते नजर आए हैं। इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया है और बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कलेक्शन कर रही है। जयदीप ने कहा- पूरा देश, मुझे लगता है सभी सिनेमा लवर्स, कोई ऐसी आत्मा नहीं होगी जिसे बुरा नहीं लगा। इक्कीस का प्रमोशन करते हुए मुझे खालीपन महसूस हो रहा है। काश वो सारे प्रमोशन में वहां होते। वो हमारे साथ फिल्म देखते और अपना काम देखते। जयदीप ने कहा-जब इस तरह के प्रोजेक्ट में आप लेजेंड के साथ काम करते हैं तो खुद को लकी मानते हैं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। उनके साथ काम करते हुए मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मैं किसी ग्रेट लेजेंड के साथ काम कर रहा हूं। वो आपको फैमिली जैसा महसूस कराते हैं। वो जोक्स क्रैक करते रहते थे। उनके साथ काम करना मुझे बहुत अच्छा लगा। इक्कीस के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो ये फिल्म अब तक 25.70 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म ने पहले दिन अच्छी कमाई की थी मगर अब ये कलेक्शन धीरे-धीरे कम हो गया है।

खून से लथपथ और पूरे शरीर पर टैटू अगले महीने आ रहा खूंखार ओ रोमियो

शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म ओ रोमियो का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर कमीने जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है।

विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म की झलक पाने के लिए बेकरार थे। अब शाहिद कपूर के इस पहले पोस्टर को ही देखकर फैंस उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर में शाहिद का खूंखार अंदाज तो दिख ही रहा है, जिसमें उनके हाथ पर बना टैटू और कई ब्रेसलेट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद एक और विशाल भारद्वाज मिलकर एक बार फिर कुछ अलग और नया करने वाले हैं। ये शाहिद और विशाल की साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून साथ में कर चुके हैं। इनमें कमीने और हैदर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन्हें जमकर सराहा था। वहीं पिछली तीनों ही फिल्मों में विशाल भारद्वाज ने शाहिद को एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में दिखाया है। ऐसा लगता है कि एक बार फिर विशाल, कुछ अलग अंदाज में ही शाहिद को पेश करने वाले हैं।

नजर आएगी दमदार स्टारकास्ट

ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। जबकि फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में एक दमदार स्टारकास्ट नजर आएगी, जो लोगों का ध्यान खींच रही है। इस भारी भरकम स्टारकास्ट में शाहिद कपूर के अलावा नाना पाटेकर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फिलहाल अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अब दर्शकों को 13 फरवरी का इंतजार है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मां इंटी बंगारम' का टीजर रिलीज एक्शन अवतार में नजर आईं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु की नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का टीजर आज रिलीज हो गया है। फिल्म को लेकर काफी दिनों से इंतजार था। अब आज टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म के लिए और भी बढ़ गया है। टीजर में इमोशन से लेकर एक्शन तक देखने को मिल रहा है।

सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर बहुप्रतीक्षित टीजर साझा किया है। 1 मिनट 47 सेकंट के इस टीजर की शुरुआत में एक महिला (सामंथा) अपने पति के साथ ससुराल पहुंचती है। वह आत्मविश्वास से वादा करती है कि एक हफ्ते के भीतर वह उनका दिल जीत लेगी। एक आदर्श बहू बनने की कोशिश में वह एक पूरी तरह से कमीशन जांच शुरू कर देती है। हालांकि, वह अपने ससुराल वालों के सामने मासूम और शांत दिखती है। टीजर में सामंथा को एक दमदार एक्शन रोल में दिखाया गया है। उन्हें अकेले ही गुंडों को ढेर करते, भीषण गोलीबारी में शामिल होते और बाद में लाशों को ठिकाने लगाकर खून-खराबे को छिपाते हुए देखा जा सकता है। टीजर शेयर करते हुए सामंथा ने कैप्शन में लिखा, 'यह गोल्ड बेहद बोल्ड है।'

इस फिल्म का निर्माण सामंथा के पति राज निदिमोरु ने किया है। जबकि फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। नंदिनी और सामंथा की जोड़ी ओह! बेबी के बाद दोबारा साथ में लौटी है। सामंथा के साथ फिल्म में गुलशन देवैया और दिगंथ मुख्य भूमिकाओं में हैं। जबकि दिग्गज अभिनेत्रियां गौतमी और मंजुषा अहम किरदारों में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

टीजर दर्शकों को काफी पसंद आया है। कई यूजर्स ने सामंथा की बड़े पर्दे पर दमदार वापसी पर खुशी जताई है। एक फैन ने लिखा कि टीजर देखकर रोंगटे खड़े हो गए। फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। जबकि एक ने लिखा की जबरदस्त एक्शन देखने को मिल रहा है। तो वहीं कई प्रशंसकों ने सामंथा को एक्शन अवतार में देखकर खुशी जताई है। फैंस को सबसे ज्यादा बस में सामंथा का एक्शन सीन काफी पसंद आ रहा है, जहां वो साड़ी पहनकर जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही हैं।

अजब-गजब | पानी पर बसा है दुनिया का ये अनोखा गांव

यहां हिलती-डुलती रहती है जमीन, खड़े रहना भी होता है मुश्किल!

सोचिए जरा, एक ऐसा गांव जहां घर जमीन पर टिके नहीं होते, बल्कि पानी की सतह पर तैरते रहते हैं। जहां हवा का हल्का सा झोंका और पानी की छोटी-छोटी लहरें घरों को धीरे-धीरे झुलाती रहती हैं। जहां आप ठीक से खड़े भी नहीं हो सकते। जहां दरवाजा खोलते ही सामने सड़क नहीं, बल्कि चमकता हुआ पानी दिखाई देता है। पहली नजर में यह सब किसी फिल्म का सीन जैसा लगता है, लेकिन यह कोई सपना नहीं, बल्कि हकीकत है। यह अनोखी जगह है मणिपुर की लोकटक झील, जो अपने आप में प्रकृति का एक अद्भुत चमत्कार है।

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में स्थित लोकटक झील दुनिया भर में अपनी अनोखी पहचान के लिए मशहूर है। करीब 240 वर्ग किलोमीटर में फैली यह झील सिर्फ आकार में ही नहीं, बल्कि अपनी खासियत में भी सबसे अलग है। यह झील दुनिया की उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां इंसान ने पानी के साथ रहना सीख लिया है। यहां तैरते हुए घर, तैरते द्वीप और पानी पर चलती जिंदगी देखने को मिलती है। झील का सबसे खास आकर्षण है इसके फ्लोटिंग आइलैंड, जिन्हें स्थानीय भाषा में फुमदी कहा जाता है।

फुमदी कोई जमीन का टुकड़ा नहीं होता, बल्कि यह सड़ चुके पौधों, जड़ों, मिट्टी और जैविक पदार्थों की कई परतों से बनता है। सालों-साल तक ये परतें एक-दूसरे पर जमती जाती हैं और धीरे-धीरे एक ठोस स्ट्रक्चर का रूप ले लेती हैं। यही वजह है कि इन पर न सिर्फ घास उगती है, बल्कि लोग अपने घर भी बना लेते हैं।लोकटक झील में रहने वाले लोग पूरी तरह फुमदी पर निर्भर हैं। उनके घर, रोजमर्रा की जिंदगी और आजीविका सब कुछ पानी पर ही चलता है। यहां लोग नाव से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। बच्चे नाव में बैठकर स्कूल जाते हैं और मछली पकड़ना यहां के लोगों की सबसे बड़ी रोज़ी-रोटी है। यह झील एक पूरा प्राकृतिक इकोसिस्टम है, जो स्थानीय लोगों को जीवन देता है।

लोकटक झील के भीतर केवलादेव नेशनल पार्क नहीं, बल्कि केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क स्थित है। यह दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। इस पार्क की सबसे खास बात यह है कि पूरा पार्क पानी पर तैरते हुए पौधों और फुमदी पर बना हुआ है। यहां एक बेहद दुर्लभ प्रजाति का हिरण पाया जाता है, जिसे सांगाई हिरण या नाचता हुआ हिरण कहा जाता है। यह हिरण केवल इसी क्षेत्र में पाया जाता है और इसकी संख्या बहुत कम रह गई है। इसी अनोखी प्रजाति को संरक्षण देने के उद्देश्य से 1977 में केइबुल लामजाओ को नेशनल पार्क घोषित किया गया था।

लोकटक झील को आंसुओं की झील के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय लोगों के बीच यह नाम इसलिए प्रचलित हुआ, क्योंकि कभी यह झील धीरे-धीरे सूखने लगती है और फिर बारिश के मौसम में दोबारा भरकर जीवंत हो उठती है, मानो प्रकृति की आंखों से आंसू बह रहे हों। इसे एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील मानी जाती है।

क्या आप जानते हैं चाहे तोता हो या मैना, आखिर एक आंख खोलकर क्यों सोती हैं चिड़ियां?

चिड़ियां, तोता हो या मैना- ये सब एक आंख खोलकर सोती हैं। इसे यूनीहेमिस्फेरिक स्लो-वेव स्लीप कहते हैं, जहां दिमाग का आधा हिस्सा सोता है और आधा जागता रहता है। खुली आंख शिकारियों पर नजर रखती है। यह प्रकृति की अनोखी तरकीब है, जो पक्षियों को आराम और सुरक्षा दोनों देती है। खासकर समुद्र तट, तार या खुले मैदान में जहां खतरा ज्यादा होता है। सोते हुए भी आंख खुली रखो- यह मुहावरा अक्सर सावधानी के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन पक्षियों के लिए यह हकीकत है! चाहे घरेलू मैना हो, तोता या कबूतर, ज्यादातर चिड़ियां एक आंख खोलकर सोती हैं। वैज्ञानिक इसे 'यूनीहेमिस्फेरिक स्लो-वेव स्लीप' कहते हैं, जहां दिमाग का एक हिस्सा गहरी नींद में जाता है और दूसरा जागता रहता है। खुली आंख उस जागते हिस्से से जुड़ी होती है, जो आसपास के खतरे पर नजर रखती है। यह व्यवहार प्रकृति की कमाल की तरकीब है। पक्षी छोटे और कमजोर होते हैं, इसलिए उन्हें शिकारियों से बचना पड़ता है। अगर वे पूरी तरह सो जाएं (दोनों आंखें बंद), तो शिकारी आसानी से हमला कर सकता है। इसलिए उन्होंने विकास के दौरान आधी नींद अपनाई। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह खासकर उन जगहों पर ज्यादा होता है जहां खतरा ज्यादा है-जैसे समुद्र तट, खुले मैदान, बिजली के तार या पानी पर। उदाहरण के लिए, मॉलर्ड बत्तखों पर हुए अध्ययन में पाया गया कि ग्रुप में बाहर वाली बत्तखें एक आंख खोलकर सोती हैं, जबकि बीच वाली दोनों आंखें बंद कर लेती हैं। बाहर वाली बत्तखें खुली आंख बाहर की तरफ रखती हैं, जहां से शिकारी आ सकता है। अगर बत्तखें जगह बदलती हैं, तो आंख भी बदल जाती है। यह दिखाता है कि पक्षी अपनी नींद को कंट्रोल कर सकते हैं। फ्रिगेटबर्ड्स (समुद्री पक्षी) का मामला और भी हैरान करने वाला है। ये हफ्तों उड़ते रहते हैं वो भी बिना रुके। 2016 के एक अध्ययन में पाया गया कि ये उड़ते हुए भी सोते हैं, लेकिन सिर्फ आधे दिमाग से। खुली आंख उड़ान की दिशा में रहती है, ताकि टक्कर ना हो। ये दिन में सिर्फ 42 मिनट सोते हैं, जबकि जमीन पर ज्यादा सोते हैं। यह दिखाता है कि SWS लंबी उड़ानों में भी मदद करता है। यह व्यवहार ना सिर्फ पक्षियों में, बल्कि डॉल्फिन, सील और कुछ व्हेल्स में भी पाया जाता है। डॉल्फिन को सांस लेने के लिए ऊपर आना पड़ता है, इसलिए आधा दिमाग जागता रहता है। पक्षियों में यह मुख्य रूप से शिकारियों से बचाव के लिए है।

ईडी का छापा, सियासत ने खोया आपा

कांग्रेस व टीएमसी का भाजपा पर हमला

» विपक्ष बोला- एजेंसियां भाजपा की निजी सेना

» लोकतंत्र को कमजोर कर रही बीजेपी : पवन खेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकता में आईएपीसी पर ईडी के छापे के बाद नेताओं का सियासी आपा भी खो गया। कांग्रेस, टीएमसी समेत कई दलों ने भाजपा व एनडीए सरकार पर करार वारकिया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भाजपा पर ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग को अपनी निजी सेना की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, और दावा किया कि ये एजेंसियां केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों में विपक्षी दलों को निशाना बनाकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही हैं।

खेड़ा ने कहा कि भाजपा ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई को अपनी निजी सेना समझती है। उन्होंने दावा किया कि ईडी केवल चुनिंदा राज्यों में ही छापेमारी करती है, जहां भाजपा की सरकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ईडी की छापेमारी की खबर देखते ही हम समझ जाते हैं कि यह कुछ चुनिंदा राज्यों में ही हुई है। हम हमेशा से कहते आए हैं कि भाजपा ईडी, आयकर विभाग और सीबीआई को अपनी निजी सेना समझती है। यह लोकतंत्र के लिए हानिकारक है।

ममता शेरनी हैं, झुकेंगी नहीं : महबूबा मुफ्ती

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शेरनी बताते हुए कहा कि टीएमसी प्रमुख बहुत बहादुर हैं और आत्मसमर्पण नहीं करेंगी। बंगाल के कोलकाता स्थित आईपीएसी कार्यालय पर ईडी की छापेमारी और ममता के विरोध पर मुफ्ती ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है कि जम्मू-कश्मीर एक परीक्षण प्रयोगशाला बन गया है और यही बात अन्य राज्यों पर भी लागू होती है। चाहे एनआईए हो, ईडी हो या अन्य, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा यहां छापेमारी आम बात है, लेकिन अब यह अन्य राज्यों में भी फैल रही है। महबूबा ने साफ तौर पर कहा कि मुझे उम्मीद है कि ममता बनर्जी साहसी होंगी। वह शेरनी हैं, वह इनसे सख्ती से निपटेंगी। उन्होंने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद खुद, फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब अनुच्छेद 370 निरस्त किया गया, जब छापे मारे गए और जब तीन मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, तब अधिकांश राजनीतिक दलों ने चुप्पी साधे रखी। अब यही स्थिति पूरे देश में देखने को मिल रही है।

यह सिर्फ चुनावी लाभ का ड्रामा : अधीर चौधरी

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कोलकाता स्थित आई-पीएसी कार्यालय पर की गई छापेमारी के विरोध में टीएमसी द्वारा किए गए प्रदर्शन के पीछे के इरादे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ईडी की तलाशी अभियान के दौरान टीएमसी को विरोध प्रदर्शन करना जरूरी लगा, लेकिन सांसदों ने बंगाल के प्रवासी श्रमिकों के लिए कभी विरोध नहीं किया, जिन पर उनके अनुसार बांग्लादेशी होने का बहाना बनाकर हमला किया गया और उन्हें भागने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि शायद उनके (टीएमसी के) कुछ सांसद अभी भी दिल्ली में हैं। कल की घटना के बाद उन्हें लगा कि उन्हें विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। मेरा सवाल यह है कि जब बंगाल के प्रवासी श्रमिक भारत के विभिन्न हिस्सों में काम करने जाते हैं और उन पर बांग्लादेशी होने का बहाना बनाकर हमला किया जाता है, जिससे उन्हें भागने पर मजबूर होना पड़ता है, तो हमने टीएमसी पार्टी की ओर से संसद के अंदर या बाहर कोई विरोध प्रदर्शन नहीं देखा। अब, चूंकि ईडी ने कार्रवाई की है, इसलिए उन्हें विरोध प्रदर्शन करना जरूरी लग रहा है। इसे केवल चुनावी लाभ उठाने की कोशिश कहा जा सकता है। उन्होंने मौजूदा विरोध प्रदर्शनों को टीएमसी से चुनावी लाभ प्राप्त करने का एक तरीका बताया।

सिर्फ विपक्षी दलों के पीछे पड़ते हैं ईडी वाले : शमा मोहम्मद

कोलकाता में आई-पीएसी कार्यालय पर ईडी की छापेमारी के बारे में बात करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने खेड़ा के दावे का समर्थन करते हुए कहा कि ईडी केंद्र सरकार का एक अंग बन गई है। उन्होंने कहा कि ईडी मौजूदा केंद्र सरकार का एक अंग बन गया है। वे सिर्फ विपक्षी दलों के पीछे पड़ते हैं। आई-पैक के पूरे भारत में कार्यालय हैं क्योंकि वे मौजूदा सरकार के गठबंधन दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए काम करते हैं... उन्हें एक ही बार में सभी आई-पैक कार्यालयों में ईडी भेजनी चाहिए थी, न कि सिर्फ उन जगहों पर जहां विपक्षी दल सत्ता में हैं।

अमिताभ ठाकुर को राहत, मिली जमानत

» भरना होगा 50-50 हजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। चौक थाने में दर्ज एक मामले में आजाद सेना के अध्यक्ष एवं पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। जिला जज संजीव शुक्ला को अदालत ने जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को 50-50 हजार रुपये की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपित को मात्र राजनितिक विद्वेषवश शासन-प्रशासन के दबाव में वादी मुकदमा द्वारा दर्ज कराया गया है। आरोपित पूर्व आईपीएस अधिकारी रहा है और प्रदेश सरकार की गलत नीतियों व भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने के फलस्वरुप जबरिया सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

पुलिस सेवा से बर्खास्तगी के बाद एक आजाद अधिकार सेना नामक सामाजिक संगठन का गठन कर देश-प्रदेश में हो रहे विधि विरुद्ध कार्यों व सरकारी अधिकारियों व राजनेताओं के भ्रष्ट कारनामों को उजागर करने लगा। जिससे प्रदेश की भाजपा सरकार आरोपित के सामाजिक संगठन के विरुद्ध फर्जी व झूठे आरोप लगवाकर फजी व झूठे मुकदमे दर्ज कराने लगी। उक्त मुकदमा भी उसी का परिणाम हैं। उसने अपने ट्वीटर हैंडल पर जो पोस्ट किया वह किसी की मान-प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि एक सामाजिक कार्यकर्ता व देश का नागरिक की हैसियत से उक्त आरोपों की विधि सम्मत जांच कराए जाने के उद्देश्य से सम्मानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए पोस्ट किया। अभियोजन व वादी के अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए दलील दी कि आरोपित पर 10 मुकदमों की हिस्ट्रीशीट है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद आरोपित को जमानत दे दी।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मैच कल

» भारतीय टीम का वडोदरा में कड़ा अभ्यास, कोहली-रोहित ने भी बहाया पसीना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे सीरीज का पहला मुकाबला कल खेला जाएगा। ये मैच बड़ोदरा में होगा। इसके लिए सभी खिलाड़ी पहुंच गए हैं और अपनी अपनी तैयारी को आखिरी अंजाम दे रहे हैं। कप्तान शुभमन गिल और पूरी टीम काफी पसीना बहा रही है, ताकि साल का आगाज शानदार अंदाज में किया जाए। सीरीज का पहला मैच ही रविवार यानी संडे को छुट्टी के दिन है, इसलिए ये भी राहत की बात है। रोहित शर्मा और विराट कोहली शानदार लय में नजर आ रहे हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने विजय हजारे ट्रॉफी में दो-दो मैच खेलने के बाद लगभग डेढ़ घंटे तक भारतीय तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ बल्लेबाजी अभ्यास किया।

इस बीच, मध्यक्रम के अहम बल्लेबाज श्रेयस अय्यर, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज तीन घंटे लंबे इस अभ्यास सत्र का हिस्सा नहीं थे, क्योंकि वे विजय हजारे ट्रॉफी में अपनी-अपनी राज्य टीमों के लिए खेल चुके थे। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी नेट्स में बल्लेबाजी सहित अपने अभ्यास सत्र पूरे किए। इस बीच आगे की सीरीज की बात की जाए तो दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को खेला जाएगा। ये मुकाबला राजकोट में है। इसके बाद सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 18 जनवरी को है। ये मैच इंदौर में खेला जाना तय है। मिडिल ऑर्डर में केएल राहुल नंबर 6 पर विकेटकीपर-बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे, जबकि रविंद्र जडेजा मुख्य स्पिन ऑलराउंडर बने रहेंगे। युवा खिलाड़ी नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा को टीम में शामिल कर चयनकर्ताओं ने तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के विकल्पों को आजमाया है। गेंदबाजी में कुलदीप यादव इकलौते विशेषज्ञ स्पिनर होंगे, तेज गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के हाथों में होगी।

डब्ल्यूपीएल में आरसीबी की जीत के साथ आगाज

नवी मुंबई। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे संस्करण का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए उद्घाटन मुकाबले में आरसीबी ने गत विजेता मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने सजीवन सजना और निकोला कैरी के बीच हुई 82 रनों की अहम साझेदारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 154 रन बनाए। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने नादिन डी क्लार्क की 63 रनों की नाबाद और मैच जिताऊ पारी के सहारे सात विकेट पर 157 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जोन-8 में एक महिला कर्मचारी के पास कई वार्डों की फाइलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के जोन-8 में राजस्व कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर अनियमितताओं की बात सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार, जोन-8 में तैनात एक राजस्व महिला कर्मचारी ने कई राजस्व निरीक्षकों के वार्डों से जुड़ी फाइलें अपने पास रख ली हैं और कर निर्धारण से लेकर टैक्स जमा कराने तक की प्रक्रिया अपने हिसाब से संचालित कर रही है।

सूत्र बताते हैं कि उक्त महिला कर्मचारी द्वारा अलग-अलग वार्डों की फाइलें स्वयं तैयार कराई जा रही हैं, जबकि नियमों के मुताबिक यह जिम्मेदारी संबंधित राजस्व निरीक्षकों की होती है। इतना ही नहीं, टैक्स की गणना भी मनमर्जी से तय कराकर उसे जमा कराया जा रहा है, जिससे पूरे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ही कर्मचारी को क्यों दी गई कई वार्डों की जिम्मेदारी? दूसरे राजस्व निरीक्षकों के वार्डों की फाइलें भी उसी महिला कर्मचारी के पास पहुंचाई गई हैं, जिससे यह आशंका और गहराती है कि यह सब उच्च स्तर की सहमति या संरक्षण के बिना संभव नहीं है।

निगरानी तंत्र मौन

सूत्रों का कहना है कि जोनल अधिकारी, टैक्स सुपरिटेंडेंट और कर निर्धारण अधिकारी द्वारा इन फाइलों की नियमित जांच नहीं की जा रही, या फिर सब कुछ जानते हुए भी अनदेखी की जा रही है। यही वजह है कि लंबे समय से यह प्रक्रिया बिना रोक-टोक चल रही है।

लाइसेंस के नाम पर नगर निगम में करोड़ों का खेल!

» एक साल की फीस सरकारी खजाने में और दूसरे साल कर्मचारियों की जेब में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के अंतर्गत आने वाले बार, अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानें, बीयर शॉप, नर्सिंग होम, क्लिनिक, रेस्टोरेंट, ईटिंग हाउस, जलपान गृह, पैथोलॉजी, हॉस्पिटल, अल्ट्रासाउंड व डायग्नोस्टिक सेंटर, एक्स-रे यूनिट और ब्लड बैंक—इन सभी के लिए ट्रेड लाइसेंस बनाना अनिवार्य है। लेकिन हकीकत में ट्रेड लाइसेंस व्यवस्था नगर निगम के भीतर सबसे बड़ा खेल बन चुकी है।

सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में प्रतिष्ठानों ने 2022-23 के लिए ट्रेड लाइसेंस बनवा लिया, लेकिन 2023-24 के दौरान लाइसेंस मद में कोई भी राशि नगर निगम के खाते में जमा नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप नगर निगम को भारी राजस्व नुकसान उठाना पड़ा। लेकिन जिन वर्षों की फीस नहीं ली गई,जिन लाइसेंसों की आईडी ही नहीं बनी, जिन अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है,उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।सीलिंग केवल क्षणिक प्रदर्शन बनकर रह जाती है, जबकि राजस्व लूट की जड़ जस की तस बनी रहती है। बिना आईडी के जारी लाइसेंसों का जिम्मेदार कौन? 2023-24 की बकाया लाइसेंस फीस आखिर गई कहां? सीलिंग ड्राइव के पीछे असली दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं? जब तक इन सवालों का जवाब नहीं मिलेगा, तब तक यह कहना गलत नहीं होगा कि लखनऊ नगर निगम में ट्रेड लाइसेंस व्यवस्था सुधार का नहीं, सिस्टमैटिक लूट का मॉडल बन चुकी है।

ना आईडी, ना रिकॉर्ड, ना नोटिस

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन प्रतिष्ठानों से लाइसेंस शुल्क जमा होना था। उनकी डिजिटल लाइसेंस आईडी तक नहीं बनाई गई,न ही कोई ऑनलाइन या ऑफलाइन रिकॉर्ड तैयार किया गया,जिससे नोटिस या बकाया बिल जारी करना संभव हो।यानी व्यवस्था ही ऐसी बना दी गई कि जवाबदेही तय न हो सके। कई मामलों में एक साल का शुल्क सरकारी खाते में जमा कराया गया, जबकि अगले साल की रकम कर्मचारियों और संबंधित लोगों की मिलीभगत से हड़प ली गई। सीलिंग के नाम पर वाहवाही, असली सवालों से दूरीदिलचस्प यह है कि जब मामला उजागर होने या दबाव बढ़ने लगता है, तब नगर निगम समय-समय पर दुकानों को सील कर कार्रवाई का दिखावा करता है और वाहवाही लूटने का काम करता है।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में दिख रहे नए-नए दांव

» भाजपा को झटका, चार एनसीपी पार्षदों ने शिवसेना का किया समर्थन

» निकाय चुनाव के लिए चाचा-भतीजा एकसाथ

» अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले कई सियासी रंग देखने को मिल रहे हैं। ऐसे-ऐसे दल एक साथ आ रहें हैं जिनमे मतभिन्नता और विचार भी अलग-अलग हैं। जहां ठाकरे ब्रदर्स एक साथ आए वहीं अब चाचा भतीजा भी एक साथ दिख रहे हैं। इन सबके बीच सत्ता में बैठी भाजपा को झटके पर झटके लग रहे हैं। एसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने पुणे नगर निगम चुनाव 2026 के लिए संयुक्त घोषणापत्र जारी किया।

उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने इस मौके पर मंच साझा किया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 15 जनवरी को 29 नगर निगमों, जिनमें पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ शामिल हैं, के लिए चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग ने 15 जनवरी को इन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है ताकि अधिक से अधिक लोग वोट डालें। आयोग ने 70ब से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है।पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में भाजपा अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि एनसीपी पिंपरी-चिंचवाड़ के 32-वार्ड निगम में वापसी की तैयारी कर रही है। इस निगम में लगभग 17.13 लाख मतदाता होंगे, जो 128 पार्षदों का चुनाव करेंगे।

एनसीपी व एनसीपी एसपी ने संयुक्त घोषणापत्र जारी किया

एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने शनिवार को पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है।

अजित ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा

अजित पवार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र से पर्याप्त फंड मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ का विकास रोक दिया गया। पिछले नगर निगम चुनावों में 2017 से 2022 तक दोनों निगमों में भाजपा की सरकार थी। इस बार एनसीपी का गठबंधन उनके विकास एजेंडे के साथ जनता के सामने चुनावी विकल्प पेश कर रहा है।

अजित पवार और सुप्रिया सुले की अहम बातें

अजित पवार ने कहा हमारा मकसद पुणे के नागरिकों के लिए विकास और स्थिरता सुनिश्चित करना है। इस संयुक्त घोषणापत्र के माध्यम से हम शहर की जनता के सामने अपनी स्पष्ट नीति पेश कर रहे हैं। वहीं सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी सभी वर्गों और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाएगी। हर घर को नल से प्रतिदिन साफ पानी की सुविधा।यातायात और सड़कें सुरक्षित, गड्ढों से मुक्त पुणे।नियमित सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करना।शहर में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना।प्रदूषण मुक्त और हरित पुणे का निर्माण। झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्वास और पुरानी इमारतों का नवीनीकरण। बस और मेट्रो में सुपत यात्रा। 500 वर्ग फीट तक के घरों पर संपत्ति कर माफीपुणेवासियों के प्रति जिम्मेदार और पारदर्शी प्रशासन। हर बच्चे के लिए पुणे मॉडल स्कूल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।

शिवसेना को एनसीपी का साथ

शिवसेना के 27 पार्षद हैं, उसके बाद भाजपा के 14 पार्षद हैं। कांग्रेस और एनसीपी के क्र मशः 12 और 4 पार्षद हैं। अब, शिवसेना के 27 पार्षदों को चार एनसीपी पार्षदों और एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन प्राप्त है। कुल मिलाकर, शिवसेना को 32 पार्षदों का समर्थन प्राप्त है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है क्योंकि अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के चार पार्षदों ने अंबरनाथ नगर परिषद में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का समर्थन करने का फैसला किया है। यह घटनाक्रम उन खबरों के बाद सामने आया है जिनमें कहा गया था कि भगवा पार्टी ने अंबरनाथ में शिवसेना को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जिसे बाद में दोनों पक्षों ने खारिज कर दिया था। अंबरनाथ नगर परिषद में 60 पार्षद हैं। शिवसेना के 27 पार्षद हैं, उसके बाद भाजपा के 14 पार्षद हैं। कांग्रेस और एनसीपी के क्रमशः 12 और 4 पार्षद हैं। अब, शिवसेना के 27 पार्षदों को चार एनसीपी पार्षदों और एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन प्राप्त है। कुल मिलाकर, शिवसेना को 32 पार्षदों का समर्थन प्राप्त है।

कर्नाटक में फिर सीएम बदलने पर रार

» कांग्रेस बोली- भाजपा की तरह सत्ता के लिए कोई संघर्ष नहीं है

» किसी भी बदलाव का फैसला हाई कमांड करेगी : केएन राजन्ना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.एन. राजन्ना ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार या पार्टी के भीतर किसी भी संभावित बदलाव का निर्णय पूरी तरह से कांग्रेस हाई कमांड द्वारा लिया जाएगा।

बेंगलुरु में एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, अगर कर्नाटक में सरकार और पार्टी में किसी भी तरह के बदलाव की उम्मीद है, तो पार्टी हाई कमांड ही इसका फैसला करेगी। मैं कैबिनेट में रहूं या न रहूं, मैं हमेशा पार्टी कार्यकर्ता रहूंगा। भाजपा की तरह कांग्रेस में सत्ता के लिए कोई संघर्ष नहीं है। कर्नाटक सरकार में संभावित फेरबदल को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के बीच उनकी ये टिप्पणी आई है, जिसमें कांग्रेस नेता पार्टी के भीतर एकता और अनुशासन पर जोर दे रहे हैं। इससे पहले, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा था कि राज्य के मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई भी फैसला पूरी तरह से कांग्रेस हाई कमांड के हाथ में है, जबकि अटकलें और पार्टी के आंतरिक समीकरण संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बहस को हवा दे रहे हैं। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो कोई समूह बनाया है और न ही अपने समर्थकों को कोई निर्देश जारी किए हैं जो उन्हें अगला मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मेरी कोई टीम नहीं है। कुछ लोग, दोस्त या शुभचिंतक, अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। यहां तक कि जब मैं जिलों का दौरा करता हूं, तब भी कुछ लोग ऐसी बातें कहते हैं। यह उनका स्वार्थ है, लेकिन अंततः उच्च कमान ही फैसला करेगी। गृह मंत्री की ये टिप्पणियां कर्नाटक कांग्रेस के भीतर कथित तौर पर चल रहे सत्ता संघर्ष के बीच आई हैं, जिसमें सरकार के आधे कार्यकाल तक पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री पद एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री जी परमेश्वर को इस राजनीतिक उथल-पुथल में प्रमुख व्यक्ति माना जा रहा है।

केसी त्यागी की जदयू से छुट्टी, नीतीश को भारत रत्न देने की मांग पड़ी भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग करने वाले पूर्व सांसद केसी त्यागी से जदयू ने किनारा कर लिया है। त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर कहा था कि नीतीश कुमार समाजवादी आन्दोलन के अनमोल रत्न हैं। इससे पहले भी कई जीवित राजनेताओं को यह सम्मान दिया जा चुका है।

त्यागी ने समाजवादी पृष्ठभूमि के संदर्भ स्व. चौधरी चरण सिंह एवं स्व. कर्पूरी ठाकुर की चर्चा की थी, जिन्हें नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत रत्न दिया गया। इससे पहले भी कई नेताओं ने नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की थी। लेकिन, उन पर कभी जदयू की प्रतिक्रि या नहीं आई। हालांकि, राजीव रंजन ने त्यागी की ओर से भारत रत्न देने की मांग का जिक्र नहीं किया है। लेकिन, इसके समय को देख कर यही अनुमान लगाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत रत्न की मांग को पसंद नहीं किया है। त्यागी का बयान शुक्रवार को आया। जदयू की प्रतिक्रिया शनिवार की सुबह आ गई। जदयू में केसी त्यागी की भूमिका लगातार सिमट रही है। कभी वे दल के राष्ट्रीय प्रधान हासचिव और प्रवक्ता हुआ करते थे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की टीम में उन्हें महासचिव और प्रवक्ता के पद से मुक्त कर दिया गया।

शॉर्ट सर्किट से लगी कूड़े में आग 1090 चौराहे पर उठा धुएँ का गुबार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ के व्यस्ततम इलाकों में शामिल 1090 चौराहे पर शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुल के नीचे पड़े कूड़े में शॉर्ट सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। आग लगते ही मौके से काले धुएँ का घना गुबार उठने लगा, जो कुछ ही देर में आसपास के इलाके में फैल गया। धुएँ के कारण चौराहे से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पुल के नीचे लंबे समय से कूड़ा जमा था और उसी के पास बिजली के तार भी गुजर रहे थे। अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से तारों में चिंगारी निकली और कूड़े ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और धुआँ कई सौ मीटर दूर तक दिखाई देने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम जब मौके पर पहुँची तो उन्हें हालात बेहद जोखिम भरे नजर आए।

विरासत को बर्बाद करने के लिए परायों की जरूरत नहीं: रोहिणी

लालू प्रसाद की बेटी ने बिना नाम लिए भाई तेजस्वी यादव पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। रोहिणी आचार्य ने बिना नाम लिए अपने भाई तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बड़ी विरासत को मिटाने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती, अपने ही काफी होते हैं। पोस्ट में उन्होंने संकेत दिया कि अहंकार और बहकावे में आकर परिवार की पहचान और वजूद को खत्म करने की कोशिश हो रही है।

हाल के दिनों में रोहिणी के कई बयान बिहार की राजनीति में हलचल मचा चुके हैं। आज उन्होंने लिखा, बड़ी शिद्दत से बनायी और खड़ी की गयी बड़ी विरासत को तहस - नहस करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती, अपने और अपनों के चंद षड्यंत्रकारी नए बने अपने ही काफी होते हैं। हैरानी तो तब होती है , जब जिसकी वजह से पहचान होती है , जिसकी वजह से वजूद होता है , उस पहचान, उस वजूद के निशान को बहकावे में आ कर मिटाने और हटाने पर अपने ही आमादा हो जाते हैं। इसके आगे रोहिणी ने लिखा, जब विवेक पर पर्दा पड़ जाता है, अहंकार सिर पर चढ़ जाता है तब विनाशक ही आँख - नाक और कान बन बुद्धि - विवेक हर लेता है ।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि रोहिणी का यह बयान तेजस्वी यादव की कार्यशैली और हालिया फैसलों पर सीधा हमला माना जा रहा है. हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन शब्दों के तीर साफ तौर पर परिवार और पार्टी के भीतर की दरारों की ओर इशारा करते हैं।

रोहिणी के पोस्ट से मची हलचल

हाल के दिनों में रोहिणी के कई पोस्ट ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचाई है. इससे पहले भी उन्होंने पार्टी के अंदरूनी मामलों पर तीखे कमेंट किए थे। माना जा रहा है कि यह पोस्ट राजद के भीतर चल रही खींचतान और नेतृत्व को लेकर असंतोष का संकेत है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा